हमारे लक्ष्य

सात में से एक तक इतने सारे जोड़े हैं जिन को गर्भवती होना कठिन है। इन में से कुछ जोड़ों के लिये बच्चे लेने की आशा पूरी करने के लिये वैज्ञानिक ढंग से दानी शुक्र सेचन करके गर्भवती होना (गर्भधारण करना) ही एक ढंग हो सकता है। इसी प्रकार सत्री पार्टनर जो अंडे न बना सकती हो उस के लिये दान किये अंडे प्रयोग किये जाते हैं। अकेली सत्री या समलिंग कामुक (लेज़बिअन) सत्रिआं प्रजनन शक्ति (फ़रटिलिटि) क्लिनिकस की सहायता से दान किये शुक्र से गर्भवती हो सकती हैं। इन दान किये शुक्राणुओं की चिकित्सा से यू के में प्रतिवर्ष 2,200 बच्चे जन्म लेते हैं।

इस ढंग से जन्मे बच्चों के माता–पिता के लिये एक बड़ी समस्या यह है कि वे अपने बच्चों व परिवार के दूसरे सदस्यों या मित्रों को बतायें या न।1993 में **डी सी नेटवर्क** उन माता–पिता ने आरम्भ किया था जिन्हों ने अपने बच्चों को यह बताने का निर्णय कर लिया था कि वे किस ढंग से जन्मे थे तथा एक दूजे का सहयोग करने के लिये इकट्ठे हुये थे।

परिवारों के लिये

हमारा विचार है कि हमारे बच्चों को यह जानते हुए बड़े होना चाहिये कि वे किस ढंग से जन्मे थे। हमारे विचार में, डाक्टर गोपनीयता का जो परामर्श दिया करते थे, वह अब सर्वोत्तम परामर्श का प्रदर्शन नहीं रहा है।

हम अनुभव करते हैं कि जितना शीघ्र हो सके अपने बच्चों व अपने परिवारों के साथ बात करनी आरम्भ करनी अच्छी है तथा यह कि किसी के मूल (जन्म) जैसे महत्वपूर्ण विषय के बारे में रहस्य रखना, आशंकित आधार पर एक प्रिय तथा स्थायी पारिवारिक नाता बनाये रखना होगा।

यदि समाज जन्म दे सकने की योग्यता तथा दान किये शुक्राणुओं की सहायता से परिवार उत्पन्न करने के बारे में अधिक खुला हो, तो यह सब बहुत सरल हो जायेगा।

इस लिये हमने जानकारीपूर्वक इस विषय को इस ढंग से संचार माध्यम में सहानुवर्ति से कवर करने का प्रयत्न किया है जिस से जनता व्यापक रूप में इस ढंग को स्वीकार करेगी।